Marking Scheme

BSEH Practice Paper (March-2024)

CLASS: 10th (Secondary) (Maximum Marks: 20) **Code: C**

हिंदुस्तानी संगीत तबला

(Hindustani Music Tabla) Percussion InstrumentD

खंड (1) वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न

Section (1) Objective type questions

(½ **X 10 = 05**)

....

प्र01 जिन रागों में किसी और राग की छाया नहीं आती हैं? ½

उ0 **(A)** शुद्ध राग

प्र02 जिन रागों में शुद्ध और छायालग रागों का मिश्रण मिलता हैं? ½

उ0 **(C)** संकीर्ण राग

प्र0 3 अल्ला रखा खां का जन्म ....तिथि को हुआ था। ½

उ0 29 अप्रैल 1919

प्र0 4 अल्ला रखा खां ....वादय बजाते थे। ½

उ0 तबला

प्र0 5 अभिकथन **(A):** ताल में सम के स्थान पर हाथ से ताली बजाई जाती हैं।

कारण **(R):** ताल में सम का चिह्न पहली मात्रा पर आता हैं।

उ0 **(A) A** और **R** दोनों सत्य हैं तथा **R**, **A** की सही व्याख्या है।

प्र0 6 अभिकथन **(A):** रूपक ताल में 12 मात्राएं होती हैं।

कारण **(R):** रूपक ताल में पाँच विभाग होते हैं।

उ0 **(D) A, R** असत्य है।

प्र0 7

कॉलम – 01	कॉलम – 02
A. एक ताल की पहली मात्रा पर	1. 0
B. एक ताल की तीसरी मात्रा पर	2. 2
C. एक ताल की पाँचवी मात्रा पर	3. 3
D. एक ताल की नौवीं मात्रा पर	4. X

Download from www.MsEducationTv.com

उ0 (4) **A-4 B-1 C-2 D-3**

प्र0 8

कॉलम – 01	कॉलम – 02
A. तबले का बायां	1. डुग्गी
B. तबले का दायां	2. 8
C. तबले के कुल गटटे	3. 16
D. तबले में कुल छिद्र	4. मदीन

उ0 (4) **A-1 B-4 C-2 D-3**

प्र0 9 रूपक ताल में तीन विभाग होते हैं। (सही /गलत) ½

उ0 सही

प्र0 10 तिं तिं ना बोल एक ताल में प्रयोग किये जाते है? (सही/गलत) ½

उ0 गलत

खंड (2) अति लघुउत्तरात्मक प्रकार के प्रश्न

Section (2) Very short answer type questions

(½ **X 08 = 04**)

प्र0 11 किसी ताल के दो गुन में कितने बोल लिये जाते है? ½

उ0 प्रत्येक मात्रा के नीचे दो–दो बोल।

प्र0 12 किसी ताल के दो गुन में बोल के नीचे कौन–सा चिह्न लगया जाता है? ½

उ0 अर्द्धचंद्र।

प्र0 13 रूपक ताल में कितने विभाग होते है? ½

उ0 03

प्र0 14 एक ताल में कितने विभाग हैं? ½

उ0 06

प्र0 15 चौताल में कितनी विभाग हैं। ½

उ0 06

प्र0 16 उत्तरी भारतीय संगीत मे सम का क्या चिह्न हैं। ½

उ0 X

Download from www.MsEducationTv.com

प्र0 17 उत्तरी भारतीय संगीत मे खाली का क्या चिह्न है? ½

उ0 0

प्र0 18 उत्तरी भारतीय संगीत की तालों मे विभाग के क्या चिह्न हैं ? ½

उ0 **(|)**

खंड (3) लघुउत्तरात्मक प्रकार के प्रश्न

Section (3) short answer type questions

(2 X 03 = 06)

प्र0 19 अल्ला रखा खां के जीवन परिचय बारे वर्णन करें। **2**

उ0 **उस्ताद अल्ला रक्खा** का जन्म 29 अप्रैल 1919 में फगवाल ग्राम आज का जिला सांबा में जम्मू में हुआ था। उनकी मातृभाषा डोगरी थी। यह एक भारतीय तबला वादक थे। वे हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत में विशिष्ट स्थान रखते थे। वह सितार वादक रवि शंकर के लगातार संगतकार थे। उनके पुत्र जाकिर हुसैन एक प्रख्यात तबला वादक है। इन्होनें अपना करियर लाहौर में एक सहयोगी के रूप में किया और फिर 1940 में बॉम्बे में ऑल इंडिया रेडियो के एक कर्मचारी के रूप में कार्य किया। इसके बाद उन्होनें कुछ हिंदी फिल्मों के लिए भी संगीत तैयार किया। इनके तीन बेटे थे– जाकिर हुसैन, फ़ज़ल कुरैशी, तौफीक कुरेशी और दो बेटीया थी। इनको पद्म श्री, संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार आदि से भी सम्मानित किया गया। आखिर में उनका निधन 03 फरवरी 2000 को सिमला हाउस में दिल का दौरा पड़ने पर हो गया।

(अथवा)

(OR)

विभाग व आवर्तन के बारे में लिखें?

विभाग– प्रत्येक ताल को विभिन्न विभागों में बाँटा जाता है। उदाहरण के लिए कहरवा ताल की आठ मात्राओं को चार–चार मात्राओं के दो विभाग होते है। तीन ताल में चार–चार मात्रओं के चार विभाग। विभाग के लिए (।) खडी लम्बी रेखा का चिहन लगाया जाता है।

आवर्तन – किसी ताल की पहली मात्रा से लेकर अंतिम मात्रा तक के पूरे चक्र को एक आवर्तन कहते है। किसी गीत या राग में किसी ताल के प्रयोग पर कई आवर्तनों का प्रयोग किया जा सकता है।

प्र0 20 सम व खाली की परिभाषा दें? **2**

उ0 **सम –** ताल की पहली मात्रा को सम कहते है। इसे दर्शाने या दिखाने के लिए ' X ' का चिहन लगाया जाता है जिसे काटा कहा जाता है।

खाली – ताल में जहाँ ताली नहीं लगाई जाती और इशारे से हाथ को हवा में दिखाया जाता है, उसे खाली कहते है। खाली को लिखने के लिए '0' का चिहन लगाया जाता है ।

प्र0 21 आमद व मोहरा की परिभाषा दें? **2**

Download from www.MsEducationTv.com

उ0 **आमद** का अर्थ है '' आगमन। आमतौर पर जो रचना किसी नतीजे पर पहुंचने का एहसास या अंतर्ज्ञान देती है, वह आमद है। नृत्य संगीत में, कथक प्रदर्शन की शुरूआत में प्रस्तुत लयबद्ध बोलो के परिचय को आमद कहा जाता है।

मोहरा – मोहरा और मुखडा मेंकेवल स्थान भेद है। तबला वादन में ठेका प्रांरभ करने से पूर्व जिस रचना को बजाकर सम पर आते है उसे मोहरा कहते है। यदि ठेका बजाने के बाद या बीच से 9वी या 13वी मात्रा से बजाकर सम पर आते है तो उसे मुखडा कहते है।

खंड (4) दीर्घ उत्तरात्मक प्रकार के प्रश्न

Section (4) Long answer type questions

(2½ X 2 = 05)

प्र0 22 उतर भारतीय संगीत स्वरलिपि पद्धति और इसके महत्व के बारे में लिखें। (2½ + 2½) = 05

उ0 उतर और दक्षिणी भारतीय संगीत स्वरलिपि में विभिन्नताएं व समानताओ के बारे में बताने पर पूरे अंक दिये जाये।

1. दोनों के मद्रं सप्तक के स्वर तो एक जैसे है परन्तु उनके लिखने के चिहन अलग–अलग है जैसे उतर भारतीय संगीत में मद्रं सप्तक में नीचे बिन्दु लगती है जबकि दक्षिणी भारतीय संगीत में स्वरों के ऊपर बिन्दु लगाई जाती है।
2. दोनों स्वरलिपियों में से उतरी भारतीय संगीत में तार सप्तक के स्वरों के उपर बिन्दु लगती है जबकि दक्षिणी संगीत में स्वरों के नीचे हलन्त लगाया जाता है।
3. ताल में सम के स्थान पर उतर भारतीय संगीत में काटे का निशान लगाया जाता है जबकि दक्षिणी संगीत में एक लिखा जाता है।
4. ताल में खाली के स्थान पर उतर भारतीय संगीत में शून्य का निशान लगाया जाता है जबकि दक्षिणी संगीत में जमा अर्थात प्लस का चिहन लिखा जाता है।
5. **उतर और दक्षिणी भारतीय संगीतस्वरलिपि** दोनों के मध्य सप्तक के स्वर एक जैसे है इसमें दोनों कोई चिहन नही लगाते।
6. दोनों स्वरलिपियों में से उतरी भारतीय संगीत में मींड का चिहन स्वरों के उपर उल्टा अद्धचंद्र लगते है।
7. ताल में विभाग के लिए उतर भारतीय संगीत और दक्षिणी संगीत में में एक खडी लम्बी रेखा का निशान लगाया जाता है।

ताल में मात्राओं के स्थान पर उतर भारतीय संगीत में और दक्षिणी संगीत में भी कोई विभिन्नता नही है। दोनों एक जैसे गिनती में एक से शुरू करते है।

उतर भारतीय संगीत स्वरलिपि पद्धति के महत्व के बारे में लिखें।

उतर भारतीय संगीत स्वरलिपि पद्धति से संगीत जगत में हो रहे विकास बारे बताने पर पूरे अंक दिये जाये।

(अथवा)

रूपक ताल का एक व दो गुन लिखें।

रूपक ताल का एक गुन।

चिहन	0			2		3	
मात्राएं	1	2	3	4	5	6	7
बेल	तिं	तिं	ना	धिं	ना	धिं	ना

Download from www.MsEducationTv.com

रूपक ताल का दो गुन ।

चिहन	0			2		3	
मात्राएं	1	2	3	4	5	6	7
बेल	तिंतिं	नाधिं	नाधिं	नतिं	तिंना	धिंना	धिंना

नोट – दो गुन में सभी दो दो बोलो के नीचे अर्द्धचंद्र।

Download from www.MsEducationTv.com